केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 325 शनिवार 20 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मनरेगा हाजिरी ऐप में अनियमितताः मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लागू एनएमएमएस (छडडै) ऐप के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करने में अनियमितता का मामला सामने आया है। त्रिसदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर लालगंज थाना क्षेत्र में एक ग्राम रोजगार सेविका के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यह मामला विकास खंड कुदरहा की ग्राम पंचायत परेवा से संबंधित है। आरोप है कि ग्राम रोजगार सेविका सीमा देवी ने एनएमएमएस ऐप के जरिए श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करते समय नियमों का उल्लंघन किया। शिकायत मिलने के बाद इस मामले की जांच के लिए एक त्रिसदस्यीय टीम का गठन किया गया था।

जांच टीम ने संबंधित अभिलेखों और ऐप पर अपलोड की गई तस्वीरों की गहन पड़ताल की। इस दौरान फेस ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया में अपलोड की गई तस्वीरों में गंभीर विसंगतियां पाई गईं। रिपोर्ट के अनुसार, जांच में यह संकेत मिला कि अलग–अलग उपस्थिति दर्ज करते समय एक ही व्यक्ति की तस्वीर का बार–बार उपयोग किया गया था। इससे श्रमिकों की वास्तविक उपस्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए, जिसे जांच टीम ने उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया में स्पष्ट अनियमितता माना।

जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, खंड विकास अधिकारी कुदरहा आलोक कुमार पंकज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उनकी तहरीर पर लालगंज थाने में ग्राम रोजगार सेविका सीमा देवी के खिलाफ धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पेड़ से लटका मिला शवः जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। मसाहा गांव निवासी त्रिभुवन यादव (50) पुत्र वासुदेव यादव का शव दुधाधारी गांव के पास एक बाग में संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। सुबह बाग की ओर गए लोगों ने शव देखा, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। दूबौलिया पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन अभी तक मौत के कारणों को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। एसओ जीवन त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्टीकरण हो सकेगा, कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं, क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में चर्चा और जिज्ञासा बनी हुई है।

राम मंदिर से चंदा चोरी का मामलाः बोले योगी किसी के पास सबूत हो तो एसआईटी को सौंप दें

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या दौरे पर पहुंचने के बाद कहा कि विशेष जांच दल एसआईटी की जांच–पड़ताल से राम मंदिर के चढ़ावा–दान की चोरी के विवाद में सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास कोई सबूत है तो वो इस मामले की जांच कर रही एसआईटी को सौंप दें, जो इसे देखेगी। उन्होंने जांच पूरी होने तक बयान ना देने की अपील की और कहा कि रिपोर्ट आने के बाद एसआईटी के पास अपनी बात रख सकते हैं।

योगी ने कहा कि रामभक्तों ने 500 साल संघर्ष किया है, 15 दिन और इंतजार करिए, सब साफ हो जाएगा। बता दें कि सरकार ने लखनऊ के मंडलीय आयुक्त की अगुवाई में तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई है, जिसे चढ़ावा चोरी विवाद की जांच करके एक सप्ताह में प्राथमिक और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देने कहा गया है। योगी ने ये बातें अयोध्या में आयोजित वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा के अनावरण व विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में कही।

सीएम योगी ने चढ़ावा चोरी विवाद पर कहा कि अपराधी कोई भी हो, बचेगा नहीं। यह सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि वो हमें क्या बताएंगे जो राम के भक्तों को अपमानित करते थे और माफियाओं की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ते थे। ये लोग हमें राभक्ति का उपदेश ना दें। हम लोग इनके बहकावे में ना आएं।

राम मंदिर निर्माण समिति के प्रमुख नृपेंद्र मिश्रा ने चढ़ावा चोरी विवाद पर समाचार चैनलों को दिए इंटरव्यू में माना है कि चढ़ावा और दान को गिनने की प्रक्रिया की निगरानी में चूक हुई है। उन्होंने चंपत राय पर भरोसा जताते हुए कहा कि चढ़ावा गिनने के लिए स्टेंट बैंक और ट्रस्ट के बीच जिम्मेदारी का पारदर्शी तरीके से बंटवारा था। इसके लिए व्यवस्थित दिशा–निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्हें लगता है कि उन गाइडलाइंस का 10 परसेंट भी पालन नहीं हुआ।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी के अयोध्या दौरे पर सपा प्रमुख अखिलेश यदव ने तंज कसा। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सीएम योगी का बिना नाम लिए कहा, 'अयोध्या की किसी की रिकॉर्ड–तोड़ यात्राओं' की पड़ताल के लिए भी एक एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन होना चाहिए।

सपा प्रमुख ने परोक्ष रूप से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुये अपने 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा एक एसआईटी, किसी की रिकॉर्ड तोड़ 'अयोध्या' यात्राओं की पड़ताल के लिए भी बनानी चाहिए। सात जून को अखिलेश यादव ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए दावा किया था कि मंदिर को मिले दान के करोड़ों रुपये गायब हैं।

मोहर्रम की तैयारियां पूरीः सीसीटीवी कैमरे से होगी जुलूस की निगरानी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना की अध्यक्षता में केंद्रीय शांति समिति की बैठक हुई, जिसमें मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों से सुझाव लिए गए और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस वर्ष जिले में लगभग 1952 ताजिए स्थापित किए जाएंगे और 127 जुलूस निकाले जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पूरे जनपद में 1400 सीसीटीवी कैमरों से ताजियों और जुलूसों की निगरानी की जाएगी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं।

कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए जुलूस मार्गों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, प्रशासन ने मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी भी लगाई है, जो अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी करेंगे। बैठक में ताजियों की ऊंचाई, जुलूस मार्गों की सुरक्षा, बिजली के तारों से संभावित खतरों और साफ–सफाई की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जुलूस मार्गों पर साफ–सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया, ताकि पर्व के दौरान कोई असुविधा न हो।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने भी बैठक में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत, सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी, नगर पालिका परिषद के ईओ अंगद कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और मोहर्रम कमेटी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हर्रैया, छावनी, रुधौली समेत कई थानों के इंचार्ज बदले, चौकियों में भी बदलाव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने जिले की पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर शुक्रवार को फेरबदल किया है। इस तबादला सूची में कई निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है, जिसमें थानों, चौकियों और महत्वपूर्ण शाखाओं की जिम्मेदारियां शामिल हैं।

?तबादलों के तहत, प्रभारी निरीक्षक हर्रैया तहसीलदार सिंह को पुलिस अधीक्षक का जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) नियुक्त किया गया है। वहीं, अब तक पीआरओ की जिम्मेदारी संभाल रहे संजय कुमार को हर्रैया थाने का प्रभारी बनाया गया है। इसी क्रम में, डायल–112 के प्रभारी राणा देवेंद्र प्रताप सिंह को छावनी थाने का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि पुलिस लाइन में तैनात बृजानंद सिंह को डायल–112 का नया प्रभारी बनाया गया है।

उपनिरीक्षक स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। थानाध्यक्ष छावनी चंदन कुमार को रुधौली थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चौकी इंचार्ज रोडवेज राज कुमार पटेल को विशुनपुरवा चौकी (रुधौली) का प्रभारी बनाया गया है। विशुनपुरवा चौकी पर तैनात जयविंद यादव को रोडवेज चौकी की जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अतिरिक्त, पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक जालंधर प्रसाद को महादेवा चौकी का प्रभारी बनाया गया है, और उपनिरीक्षक मधुसूदन यादव को पुलिस लाइन से थाना वाल्टरगंज भेजा गया है। पुलिस महकमे में हुए इस व्यापक फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बस्ती को 'बेस से स्पेस' तक ले जाने का हमारा संकल्प– मनीष मिश्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के विकास और युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक नई पहल की घोषणा करते हुए पहल संस्था के प्रमुख मनीष मिश्रा ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बस्ती को "वेस से स्पेस" तक ले जाने का संकल्प लेकर संस्था लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में जिले के विकास, डिजिटल सशक्तिकरण, महिला रोजगार और युवाओं के उत्थान को लेकर ऐतिहासिक फैसले किए गए हैं।

शहर के एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान मनीष मिश्रा ने बताया कि हाल ही में जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई, जिसमें 2100 महिलाओं ने एक साथ सोहर गीत गाकर जिले के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का प्रयास नहीं है, बल्कि महिलाओं की भागीदारी और उनकी सामूहिक शक्ति को भी प्रदर्शित करती है।

उन्होंने कहा कि बस्ती जिले को अगले एक वर्ष के भीतर पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस अभियान के तहत गांवों तक डिजिटल सुविधाएं पहुंचाने, युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से लोगों तक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन से शिक्षा, रोजगार और प्रशासनिक व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आएगा।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर मनीष मिश्रा ने कहा कि संस्था की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि "राम जी का पेड़ा" और झोला निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए कई महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की जा चुकी हैं। इसके माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगी।

उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य केवल सहायता देना नहीं बल्कि लोगों को रोजगार से जोड़ना है। इसी कड़ी में आने वाले समय में 100 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और जिले के विकास में अपनी भूमिका निभा सकें।

खेल के क्षेत्र में भी पहल संस्था नई योजनाओं पर कार्य कर रही है। मनीष मिश्रा ने बताया कि अगस्त माह में जिले के सभी गांवों में क्रिकेट किट का वितरण किया जाएगा। उनका कहना था कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है।

महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने के उद्देश्य से आचार, सिरका और मुरब्बा निर्माण जैसे लघु उद्योगों की शुरुआत भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को घर बैठे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और वे अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकेंगी।

शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि "बीर सावरकर स्कॉलरशिप योजना" के अंतर्गत हजारों मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

इसके अलावा अगले माह छात्रों को लैपटॉप वितरण करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है और विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना समय की आवश्यकता बन गई है। लैपटॉप मिलने से छात्रों को पढ़ाई और तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना और जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में बस्ती जिले में शिक्षा, रोजगार, खेल और डिजिटल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा। वार्ता के दौरान संजय मिश्रा, घनश्याम मिश्र, अमित चौबे, रोहित आदि उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर सामने आया राहुल गांधी का परशुराम अवतार

वाराणसी (आभा)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 56वां जन्मदिन के मौके पर धर्मनगरी काशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पतित पाविनी गंगा नदी में खड़े होकर अनोखे अंदाज में उनका जन्मदिन मनाया। अविरल गंगा की धारा के बीच राहुल गांधी की जिस तस्वीर पर कांग्रेस कार्यकर्ता दुग्धाभिषेक किया वह राहुल गांधी के 'परशुराम अवतार' का है, जिसके एक हाथ में फरसा तो दूसरे हाथ में संविधान है।

अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए राहुल गांधी का परशुराम अवतार काफी चर्चा में है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा और उसके कट्टर हिन्दूवादी छवि के खिलाफ चुनावी लड़ाई में कांग्रेस ने इसके जरिए राहुल गांधी की एक सनातनी और सर्वसमावेशी छवि पेश करने की कोशिश की है। दरअसल, मौजूदा सियासी दौर में हिन्दू और हिन्दुत्ववादी एजेंडों को दरकिनार नहीं किया जा सकता है, इसलिए कांग्रेस ने परशुराम अवतार के जरिए हिन्दुओं खासकर ब्राह्मणों को साधने की कोशिश की है।

दरअसल, भगवान परशुराम को न्याय और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक माना जाता है। ब्राह्मण समुदाय उनकी विशेष पूजा करता रहा है। उन्हें इस समुदाय से भी जोड़कर देखा जाता है। इसलिए, कांग्रेस राहुल के परशुराम अवतार के जरिए हिंदी पट्टी में ब्राह्मण मतदाताओं तक एक मजबूत सियासी संदेश पहुंचाने की कोशिश कर रही है और इसकी सधी शुरुआत बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी से की है। माना जाता है कि भगवान परशुराम के हाथ में फरसा अन्याय के खिलाफ संघर्ष का द्योतक है। कांग्रेस ने उसी प्रतीक के जरिए भाजपा सरकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष का संदेश देने की कोशिश की है।

उद्योग व्यापार प्रतिनधि मण्डल कार्यकारिणी का विस्तार महिला मोर्चा सहित 17 पदाधिकारियों को सौंपा दायित्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उद्योग व्यापार प्रतिनधि मण्डल उत्तर प्रदेश के जिला कार्यकारिणी का विस्तार स्थानीय ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभ्भागार में किया गया। जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया आगामी सात जुलाई को कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी हरिमूर्ति सिंह मनोज ने बताया कि संगठन व्यापारियों की हर जरुरतों को ध्यान में रखकर व्यापारी हितों के लिए तत्पर है। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी विस्तार में महिला मोर्चा सहित 17 पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।

जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि कार्यकारिणी विस्तार में राजकुमार चौधरी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील मिश्र को जिला मंत्री, हिमांशु कसौधन को जिला संगठन मंत्री, उदयभान अग्रहरि, प्रदीप गुप्ता को जिला मंत्री, राम गोपाल सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सरफराज अहमद को संगठन मंत्री, तेज प्रकाश शुक्ल को जिला मंत्री, हेमन्त मिश्र पियूष को जिला उपाध्यक्ष, मो. नदीम को नगर कोषाध्यक्ष, बृजेश कुमार चौहान को जिला महामंत्री, कुलदीप श्रीवास्तव को जिला वरिष्ठ संगठन मंत्री, अवधेश कुमार निषाद को नगर मंत्री, संजय कुमार गुप्ता को नगर संगठन महामंत्री, डब्लू श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, आकाश सोनी को युवा मंच का जिला उपाध्यक्ष एवं श्रीमती संध्या गोस्वामी को महिला मोर्चा का महामंत्री बनाया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राणा महेंद्र प्रताप, महेंद्र गुप्ता, धीरेंद्र चौधरी, सत्य प्रकाश द्विवेदी वंदना वर्मा अभिषेक गुप्ता कृष्ण चौहान प्रदीप सिंह कमलेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

पानी की टंकी क्षतिग्रस्तः पिता–पुत्र पर मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के राजपुर बैरवा गांव में जल जीवन मिशन के तहत स्थापित पानी की टंकी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस मामले में पिता–पुत्र पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा है। घटना के बाद गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड के प्रतिनिधि की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कंपनी के अनुसार, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत राजपुर बैरवा में यह पानी की टंकी स्थापित की गई थी, जिससे ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति हो रही थी। टंकी परिसर में सोलर पैनल, बैटरी और इनवर्टर जैसे उपकरण भी लगे हैं।

कंपनी के कर्मचारी अखंड भास्कर ने कलवारी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 18 जून, 2026 को किसी समय धारदार औजार से पानी की टंकी को काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप टंकी से पानी का रिसाव शुरू हो गया और आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई।

अखंड भास्कर ने अपनी शिकायत में ग्राम सभा राजपुर बैरवा निवासी प्रमोद शुक्ला और उनके पुत्र निहाल पर सरकारी परियोजना को भारी क्षति पहुंचाने और जलापूर्ति बाधित करने का आरोप लगाया है। कलवारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 56 वें जन्म दिन पर कांग्रेस नेताओं ने किया वृद्धा आश्रम में फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-करोड़ो भारतीयों की उम्मीद हैं राहुल गांधी- विश्वनाथ चौधरी

बस्ती। शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 56 वां जन्म दिन उत्साह और संकल्पों के साथ मनाया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारी, कार्यकर्ता बनकटा स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचें और वृद्ध जनों में फल वितरित कर राहुल गांधी के सुदीर्घ जीवन की कामना किया गया।

वृद्ध जनों में फल वितरण के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि ईमानदारी, सहानुभूति और उम्मीद की तलाश कर रही नयी पीढ़ी के लिए राहुल गांधी मजबूत आवाज बन गए हैं। एक अधिक दयालु, निष्पक्ष भारत और हर दिल में 'मोहब्बत की दुकान' के लिए निरन्तर संघर्ष करने वाले राहुल गांधी करोड़ो भारतीयों के उम्मीद हैं। वह दिन अब दूर नहीं जब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में वे भारत को समर्थ दिशा देंगे।

पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', वृजेश आर्य, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर ने कहा कि युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए अथक संघर्ष करने वाले राहुल गाधी पूरे देश में उन लोगों की सशक्त आवाज बन गए हैं, जिनकी बात पहले सुनी नहीं जाती थी। संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। वे विपरीत समय में विपक्ष के नेता के रूप में आम आदमी की सशक्त आवाज हैं। देश और कांग्रेस को उनसे बहुत उम्मीद है।

राहुल गांधी के जन्म दिन पर वृद्धा आश्रम में वृद्ध जनों में फल वितरण के दौरान मुख्य रूप से साधू शरन आर्य, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, रामधीरज चौधरी, राहुल चौधरी, राज बहादुर निषाद, सोमनाथ संत, जमील कादरी, गंगा मिश्र, राम बचन भारती, मंजू पाण्डेय, उमेश उपाध्याय, अनिल पाण्डेय, के.के. गोयल, पिन्टू बाबा, सेराज अहमद, विश्वजीत शुभम, अभिषेक सिंह सूर्यबंशी के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 जून 2026 शनिवार

सम्पादकीय

कफ सिरप से मौतें और तंत्र

मौतों के सिलसिले से दवा निर्यातक के रूप में देश की साख को नुकसान पहुंचने के बाद भारत की फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन में भरोसा बहाल करने की व्यापक कोशिश के तहत, सरकार ने आम लोगों के लिए सिरप–आधारित दवाएं खरीदने के वास्ते डॉक्टर का पर्चा जरूरी कर दिया है। यह एक विश्वसनीय उपाय तो लगता है, मगर यह सुधारवादी के बजाय रक्षात्मक भी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'औषधि नियमावली 1945' के 'शिड्यूल के' से "सिरप" शब्द हटा दिया है। इस बदलाव का संकेत उसने दिसंबर 2025 में मसौदा अधिसूचना जारी करते समय ही दे दिया था। लिहाजा, अब कफ सिरप केवल लाइसेंसशुदा फार्मेसी से और पर्चे के साथ ही बेचे जा सकेंगे। भारत में बने कफ सिरप में एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) और डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) संदूषण से साल 2022 से कई देशों में 300 से ज्यादा बच्चों की मौत के बाद इन उत्पादों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। साल 2022 और 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की चेतावनियों ने इन धारणाओं को भी कमजोर किया कि भारत के निर्यात गुणवत्ता नियंत्रण कारगर हैं और स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। लेकिन संदूषण के अलावा, डॉक्टर लंबे समय से कफ सिरप के बनाने के तरीकों और उसके इस्तेमाल पर चिंता जताते रहे हैं। कई ओवर–द–काउंटर (बिना पर्चे के मिलने वाले) कफ सिरप ब्रोंकोडायलेटर, एंटीहिस्टामीन और डिकन्जेस्टेंट का 'कॉकटेल' होते हैं, जिनसे शरीर में कंपन, दिल में धकधकाहट, बहुत ज्यादा सुस्ती या शिशुओं में इसके उलट उत्तेजना और रक्तचाप से जुड़े प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स का कहना है कि छह साल से छोटे बच्चों के लिए खांसी दबाने वाली दवाएं काफी हद तक बेअसर होती हैं और खतरनाक भी हो सकती हैं, क्योंकि ये निमोनिया या दमा जैसे कारणों को छिपा सकती हैं। फिर भी, भारत में बिना पर्चे के दवा खरीदने की संस्कृति इतने गहरे तक पैठी हुई है कि कई ग्रामीण और अर्ध–शहरी इलाकों में फार्मासिस्ट ही असल में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता बने हुए हैं।

हालांकि सबसे अहम बात यह है कि यह संदूषण विनिर्माण गुणवत्ता नियंत्रण, कच्चे माल की टेस्टिंग और विनियामकीय निगरानी में नाकामियों का नतीजा था, न कि ग्राहकों की दवा तक पहुंच का। अब भी, पर्चे को जरूरी बनाने से अनुपयुक्त इस्तेमाल कम हो सकता है और मरीज खुद से दवा लेने से बच सकते हैं, लेकिन इससे संदूषित उत्पादों को बाजार में आने से तो नहीं रोका जा सकता। मूल मुद्दा यह है कि सरकार फार्मास्यूटिकल लॉबी की इस दलील को बर्दाश्त करती आ रही है कि मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण और अंततः बेहतर दवाओं के लिए उच्च दर्जे की टेस्टिंग आवश्यकताएं छोटे विनिर्माताओं को दिवालिया कर देंगी। दूसरी बात, मौतों के बाद भले ही 'इंडियन फार्माकोपिया' और 'फार्माकोपिया इंटरनेशनलिस' ने ईजीध्डीईजी का पता लगाने के लिए अपने विश्लेषणात्मक तरीकों को अपडेट किया है, पर बैच टेस्टिंग और नियमों को लागू करने में नाकामियां बरकरार हैं। नतीजतन, भले ही भारत में लगभग तीन दर्जन राज्य ड्रग कंट्रोलर हैं, लेकिन उनके पास लंबे समय से कर्मचारियों की कमी रही है – इसलिए निरीक्षकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी किये बगैर, ग्रामीण इलाकों में इस अधिसूचना को नजरअंदाज किये जाने और इसके बेनतीजा रहने की संभावना है। वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था में, किसी एक देश में भी दवाओं के लिए नियमों का निर्धारित मानक से नीचे का क्रियान्वयन खतरनाक हैय और ऐसे देश में तो और भी ज्यादा जो दुनिया की फार्मेसी बने रहने का आकांक्षी है।

भूख, युद्ध और सूखे की चुनौती

युद्ध और संघर्ष से दुनिया के कई हिस्सों में भुखमरी का संकट गहराने लगा है। इस स्याह परिदृश्य के बीच संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसियों की चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने आगाह किया है कि आने वाले महीनों में दुनिया के तेरह संकटग्रस्त क्षेत्रों में भीषण भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है। करीब छब्बीस करोड़ से अधिक लोग पहले ही खाद्य संबंधी गंभीर असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

गौरतलब है कि खाद्य एवं कृषि संगठन और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने बीते बुधवार को अपनी साझा रिपोर्ट में कहा है कि जून से नवंबर 2026 के बीच स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। इससे समझा जा सकता है कि विश्व के सामने इस समय कितनी बड़ी चुनौती है। हालांकि विकास का दावा करने वाले देशों में भी स्थिति कोई अच्छी नहीं है। ऐसे में पिछड़े और युद्ध प्रभावित देशों में हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

खाद्य एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक सूडान, दक्षिणी सूडान, गाजा पट्टी और यमन सबसे अधिक संकट वाले क्षेत्र बने हुए हैं। इसी श्रेणी में सोमालिया और नाइजीरिया को भी शामिल किया गया है। वहीं अल–नीनो के प्रभाव के कारण कई क्षेत्रों में सूखे एवं बाढ़ से स्थिति और खराब हो सकती है।

खाद्य एजेंसियों की चेतावनियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दुनिया के किसी हिस्से में कोई व्यक्ति भूखा सो जाता है, तो इसके लिए वे देश भी जिम्मेदार हैं जो मदद करने से हाथ खींच रहे हैं। मानवीय सहायता के लिए धन में कटौती किए जाने का इशारा खाद्य एजेंसियों ने भी किया है। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक जरूरतों में भारी वृद्धि के बावजूद खाद्य सहायता और इससे जुड़े कार्यक्रमों के लिए धनराशि वर्ष 2022 के बाद से करीब उनसठ फीसद घट गई है।

ऐसे में सवाल है कि बड़े देश सहायता से पीछे हटकर दुनिया की कैसी तस्वीर देखना चाहते हैं? यह दुखद है कि कई देशों में बदहाली को खत्म करने में विश्व असहाय है। हालांकि इस नाउम्मीदी के बीच अमेरिका ने अस्सी करोड़ डॉलर देने का संकल्प जता कर उम्मीद जगाई है। मगर भुखमरी के खिलाफ लड़ाई कब तक चलेगी, कोई नहीं जानता।

सद्भाव पर आंच से कमजोर होगी भारतीयता

—विश्वनाथ सचदेव—

आज हर विवेकशील नागरिक समझे कि देश में भाई–चारे की भावना को कमजोर बनाने वाला हर काम भारतीयता को कमजोर बनाता है। ऐसे हर काम का विरोध होना चाहिए। भाई–चारे की यह भावना तभी मजबूत बनेगी जब हम एक–दूसरे की भावनाओं को समझने, उनका आदर करने की आवश्यकता और महत्ता को समझेंगे।

युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज समझने वाली बात में अब एक बात और जुड़ गयी हैदृ अब चुनाव में भी सब कुछ सही मान लिया गया है। भले ही हमने अपने संविधान में धर्म–निरपेक्षता के सिद्धांत में विश्वास जताया हो, पर धर्म की दुहाई देकर राजनीतिक स्वार्थ साधने के उदाहरणों की कोई कमी नहीं है। हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनावों में हमने देखा कि धर्म की राजनीति करने वाले हमारे राजनेताओं को जरा भी संकोच नहीं हुआ। असम और बंगाल में यह प्रकृति खुलकर सामने आयी। खुलेआम धर्म के नाम पर वोट मांगे गये, और धर्म के नाम पर वोट देने वालों की भी कमी नहीं रही।

बहुत पुरानी बात नहीं है जब भाजपा के एक राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निस्संकोच यह कहा था कि उन्हें, यानी उनकी पार्टी को मुसलमानों के वोटों की कोई आवश्यकता नहीं है। उनकी इस बात के पीछे का गणित बहुत स्पष्ट था। देश में मुसलमानों की आबादी लगभग बीस प्रतिशत है। यदि शेष अस्सी प्रतिशत में से पचास–साठ प्रतिशत मतदाता भी धर्म के आधार पर वोट देते हैं तो धर्म की राजनीति करने वालों की विजय सुनिश्चित है। पिछले सात–आठ दशकों में देश के बहुसंख्यक मतदाताओं को धर्म के नाम पर वोट देने के लिए उकसाने की कोशिशों से कौन अपरिचित है? पर यह भी एक वास्तविकता है कि इस देश के बहुसंख्यकों ने सिर्फ धर्म के आधार पर राजनीति करने वालों को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों की कोशिशें लगातार जारी रही हैं। इन कोशिशों को असफल बनाना देश के बेहतर कल की एक प्रमुख शर्त है।

हमारे संविधान–निर्माता इन कोशिशों के खतरों को अच्छी तरह समझते थे। इसीलिए हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान के आमुख में स्वतंत्रता, समता और न्याय के साथ भाई–चारे को जोड़ना जरूरी समझा था। वे अच्छी तरह जानते थे कि यदि भारत सामाजिक जनतंत्र को स्थापित करने में विफल रहता है तो हमारा राजनीतिक जनतंत्र भी बिखर जायेगा। संविधान–सभा में 25 नवम्बर, 1949 के अपने भाषण में डॉक्टर अम्बेडकर ने यह बात बड़ी स्पष्टता और गंभीरता के साथ समझायी थी। उन्होंने कहा था कि जनतंत्र के चारों आधारोंकृसमता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुतादृ का बने रहना जनतांत्रिक भारत के अस्तित्व की शर्त है। वे यह मानते थे कि यदि इन चारों में से किसी एक को भी अपनी जगह से हटाया गया तो जनतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जायेगा।

उन्होंने कहा था, 'स्वतंत्रता को समानता से अलग नहीं किया जा सकता, न ही समानता को स्वतंत्रता से दूर किया जा सकता है। इसी तरह स्वतंत्रता और समानता को भाई–चारे से पृथक नहीं किया जा सकता। यदि समानता नहीं रही तो 'बहुतों' पर 'कुछ' को वरीयता मिल जायेगी। स्वतंत्रता के बिना समानता का मतलब व्यक्ति की पहल करने की क्षमता को नकारना होगा।'

जहां तक भाई–चारे का सवाल है इसका सीधा–सा मतलब है सभी भारतीयों का एक–दूसरे से जुड़ा होना और जुड़ा रहना। उन्होंने इसके साथ ही यह कहना भी जरूरी समझा था कि इसके बिना स्वतंत्रता और समानता का अधिकार भी बहुत ज़्यादा माने नहीं रखता। संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर इस विचार को रेखांकित करने वाले अकेले नहीं थे। और भी कइयों ने स्वतंत्र जनतांत्रिक भारत में भाई–चारे की आवश्यकता और महत्ता को रेखांकित किया था। वे सब इस बात को मानते थे कि भाई–चारा ही वह गोंद है जो भारतीयों को जोड़े रखेगी। बहुधर्मीय, बहुजातीय और बहुभाषी भारत को आपसी भाई–चारे की भावना ही जोड़े रख सकती है। आजादी की अब तक की यात्रा में यदि हम सब एक साथ आगे बढ़ पाये हैं तो उसका श्रेय भी भाई–चारे को समता, स्वतंत्रता और न्याय जितना महत्व देने को जाता है। यह भाई–चारा हमारे संविधान–निर्माताओं के लिए कोई मोहक कल्पना नहीं था, एक ठोस आधार था देश के भविष्य का। सब जानते हैं कि जब हमारा संविधान लिखा जा रहा था तो वह समय देश में भारी उथल–पुथल का था। विभाजन की त्रासदी को झेल रहा था देश, सांप्रदायिकता की आंच भी जब–तब सिर उठा रही थी। उस माहौल में भाई–चारे के दार्शनिक विचार को जनता के मन और मस्तिष्क तक पहुंचाना कोई आसान काम नहीं था। एक तरफ हमारे संविधान–निर्माता यह काम करने में लगे थे, वहीं दूसरी ओर बंगाल में महात्मा गांधी अपनी 'एक व्यक्ति की सेना' के सहारे सांप्रदायिकता की आग बुझाने का काम कर रहे थे।

यह तथ्य कम महत्वपूर्ण नहीं है कि जिस दिन राजधानी दिल्ली में यूनियन जैक को उतार कर तिरंगा फहराया जा रहा था, महात्मा गांधी दिल्ली से हजारों मील दूर बंगाल में थे। सांप्रदायिकता की आग के घावों पर मरहम लगा रहे थे। गांधी अच्छी तरह समझते थे कि बंधुता को जिये बिना देश में सही अर्थों में जनतंत्र नहीं आ सकता। आज इस बात को फिर से समझने की आवश्यकता है कि गांधी ने 15 अगस्त, 1947 को दिल्ली के बजाय कोलकाता (तब कलकत्ता) में रहना जरूरी क्यों समझा था। आज फिर उस भाई–चारे को समझने–जीने की आवश्यकता है।

असम, बंगाल जैसे राज्यों में हाल के चुनावों में हमने देखा है कि किस तरह सांप्रदायिकता की आंच को हवा देने का काम हुआ है। धर्म के नाम पर वोट मांगना, और वोट दिया जाना, देश के संविधान को नकारना, उसका अपमान करना है। पर यह काम हुआ। हमारे संविधान–निर्माताओं ने धर्म के आधार पर वोटों के बंटवारे को नकार कर स्पष्ट कर दिया था कि धर्म–निरपेक्ष, जनतांत्रिक भारत में सांप्रदायिकता की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि आज फिर देश में कुछ तत्व इस राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। आये दिन इस आशय के समाचार देखने–सुनने को मिल जाते हैं। नफरत की यह राजनीति देश को जोड़ने नहीं, तोड़ने का ही काम कर रही है। यह भाई–चारे के उस सिद्धांत को नकारना है जिसे गांधी, अम्बेडकर, पटेल, नेहरू, मौलाना आजाद जैसे नेता देश की एकता का एक मजबूत आधार मानते थे।

राजनेता इस भाई–चारे को बढ़ावा नहीं देंगे। वे वही करेंगे जो उनके लिए राजनीतिक दृष्टि से उपयोगी होगा। यही होता हुआ देख रहे हैं हम। ऐसे में जरूरी है देश के संविधान में विश्वास रखने वाला नागरिक आगे आये। गांधी, अम्बेडकर, पटेल, नेहरू ने जिस भाई–चारे की वकालत की थी, आज और आने वाले कल के लिए उस बंधुता की भावना को बढ़ावा देना जरूरी है। हर सच्चे भारतीय को वह 'मोहम्मद दीपक' बनना होगा जिसने कोटद्वार में अपने मुसलमान पड़ोसी की रक्षा के लिए अकेले सांप्रदायिक ताकतों के खिलघफ खड़ा होने का साहस दिखाया था।

स्वतंत्रता, समानता और बंधुता की भावना को जी कर ही हम अपनी स्वतंत्रता की रक्षा कर सकते हैं। स्वतंत्र भारत में हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या वर्ग का क्यों न हो, सिर उठाकर जीने का अधिकार है। वह हर आवाज जो इस अधिकार के खिलाफ उठती है, हमारे संविधान का अपमान करती है। आज हर विवेकशील नागरिक समझे कि देश में भाई–चारे की भावना को कमजोर बनाने वाला हर काम भारतीयता को कमजोर बनाता है। ऐसे हर काम का विरोध होना चाहिए। भाई–चारे की यह भावना तभी मजबूत बनेगी जब हम एक–दूसरे की भावनाओं को समझने, उनका आदर करने की आवश्यकता और महत्ता को समझेंगे। लेकिन कब समझेंगे?

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दलीय टूट–फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

– उमेश चतुर्वेदी–

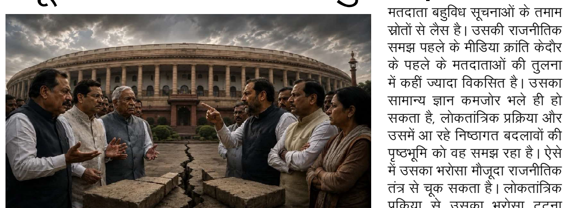

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम–सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम् के संसदीय दल में भी टूट–फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल–बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल–बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में 'आयाराम गयाराम' का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल–बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल–बदल या टूट–फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट–फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट–फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की खरीद–बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट–फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट–फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा।

संघ परिवार के पंजीकरण का मुद्दा

—नीरज कुमार दूबे—

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क। वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है। लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, "हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।" यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है? भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है।

भाजपा सरकार ने की हर वर्ग की चिंता, लाभकारी योजनाओं का खोला पिटारा

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने 12 सालों में देश को तरक्की की राह पर दौड़ाया है। अब तक किसी सरकार ने हर वर्ग के लोगों की चिंता नहीं की। पीएम मोदी की ही देन है कि महिलाएं सम्मान की जिन्दगी जी रही हैं। देश विकास कर रहा है और पूरे विश्व में देश की साख बढ़ी है। प्रदेश अध्यक्ष जिला मुख्यालय पर पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। केंद्र सरकार के 12 वर्ष विश्वास और विकास के जनकल्याण के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित समेकित जन कल्याण जागरूकता अभियान, पीएम स्वनिधि एवं कृषि विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया।

उन्होंने कुछ योजनाओं की चर्चा की। किसान सम्मान निधि, आवास शौचालय ,सड़क, एयरपोर्ट, कृषि पर फोकस किया। किसानों का आह्वान किया कि वे पारंपरिक खेती छोड़ कामर्शियल खेती करें। कहा कि सरकार ने स्वनिधि योजना के तहत गरीबों को आवास, शौचालय जैसी सुविधाओं से आच्छादित करने का कार्य किया। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए। लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। लोगों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रक्रिया भी शुरू की गई। बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया और अन्य लोगों के साथ के साथ स्टॉलों का निरीक्षण किया। लोगों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। इसमें लापरवाही बिल्कुल नहीं होनी चाहिएद्द

सीएम योगी ने 4901 करोड़ के प्रस्ताव को दी मंजूरी, मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ समेत 13 मार्गों का होगा विकास

संवाददाता–गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महज तेरह दिनों बाद फिर गोंडा का दौरा किया। उन्होंने अपने दो घंटे के कार्यक्रम के दौरान 33 विधानसभा क्षेत्रों से जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों का प्रेजेंटेशन भी देखा। इसमें प्रमुख रूप से मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ धाम संग अन्य धार्मिक स्थलों तक कनेक्टिविटी को बेहतर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने देवीपाटन मंडल के मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ, स्वामीनाराण मंदिर से बस्ती के मखौड़ा धाम व अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले प्रमुख 13 मार्गों के विकास को मंजूरी दी। कुल 4901.65 करोड़ रुपये की एक हजार से अधिक विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों को स्वीकृति दी। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव सभागार में लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की। साथ ही नई कार्य योजनाओं पर जनप्रतिनिधियों के साथ मंथन किया। इस दौरान देवीपाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती की सड़क व संपर्क मार्ग परियोजनाओं की प्रगति परखी। इसके साथ बस्ती मंडल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर की

विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गो से जोड़ने, जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण और पुल सेतु से जुड़े निर्माण कार्यों पर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री को देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सड़क, पुल, सेतु और अन्य आधारभूत विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न विकास परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गड्ढामुक्त अभियान की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 810 कामों को मंजूरी दी। इसमें करीब 1472.83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे ग्रामीण अंचलों में 1602 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाकर बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी। करीब पचास से अधिक सड़कों का चौड़ीकरण व दुरुस्तीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की करीब 50–50 करोड़ की विकास परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विकास परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यातायात के लिए सड़क मार्गों के दुरुस्तीकरण पर केंद्रित प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ देखा। इसमें आधारभूत संरचना के कार्य भी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने पिछड़े क्षेत्रों व आकांक्षात्मक ब्लॉक क्षेत्रों में जारी विकास परियोजनाओं की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने दो राज्य राजमार्गों, प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी, 81 लघु सेतु व सात बड़े पुलों को बनाने की मंजूरी दी। शहरी क्षेत्रों में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए बाईपास मार्गों, ओवरब्रिज आदि के कामों को मंजूरी दी। देवीपाटन मंडल में सड़क सुरक्षा के कार्यों को कराने कभी निर्देश दिया। इसके साथ जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में 12 हेलीपैड के निर्माण कार्यों को भी मंजूरी दी। उन्होंने हरदौपट्टी संपर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य, कटरा बाजार के पंडितपुरवा नहवा परसौरा वाया खजुहा संपर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य, सुभानपुर बेलवानोहर मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य, हट्टीपुरवा से कुढिध्यांव संपर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य, चांदपुरडीहा संपर्क मार्ग निर्माण कार्य आदि की अद्यतन स्थिति पर भी जानकारी ली।

राजा बलि का चरित्र त्याग, दान और वचनबद्धता देता है प्रेरणा –रामायण दास जी महाराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता– संतकबीरनगर (पौली)। हैसर ब्लाक के सुरैना बाजार में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास रामायण दास जी महाराज ने भगवान वामन एवं महादानी राजा बलि के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि दान, विनम्रता और वचन की दृढ़ता मनुष्य के जीवन के सर्वोच्च गुण हैं। राजा बलि ने भगवान वामन को तीन पग भूमि देने का संकल्प लिया और गुरु शुक्राचार्य के मना करने पर भी अपने वचन से पीछे नहीं हटे।

कथा को विस्तार देते हुए कहा कि भगवान बाहरी वैभव नहीं, बल्कि भक्त के हृदय की निर्मलता और समर्पण भाव को देखते हैं। राजा बलि ने अपना सर्वस्व भगवान को अर्पित कर दिया, जिसके फलस्वरूप भगवान ने उन्हें पाताल लोक का अधिपति बनाकर सदैव अपने सान्निध्य का वरदान प्रदान किया। अहंकार का त्याग और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सफल बनाता है। महाराज जी ने श्रद्धालुओं से सत्य, दान, सेवा तथा धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजा बलि का चरित्र प्रत्येक व्यक्ति को वचनबद्धता, उदारता और भगवान के प्रति समर्पण का संदेश देता है।

इस अवसर पर मुख्य यजमान महावीर चौधरी, बनारसी लाल चौधरी, सतीश चौधरी, संतोष चौधरी, विजय, गोपाल, आयु, रुद्र चौधरी, युग सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिनको सौंपी गई थी नाम जोड़ने की जिम्मेदारी, उन्हीं का नाम सूची से बाहर

संवाददाता–महराजगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के बीच विकास खंड घुघली के बरगदही में वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम कटने का मामला सामने आया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिन बीएलओ को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने और मृतकों के नाम हटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उनका ही नाम नई मतदाता सूची से गायब पाया गया हैद्द

बरगदही ग्राम सभा में दो मतदान केंद्र हैं। दोनों बूथों के बीएलओ राम अवतार तथा शबनम खातून का नाम ही मतदाता सूची में नहीं मिला। इसके अलावा पूर्व प्रधान प्रत्याशी रविंद्र यादव, पूर्व बीडीसी सदस्य रामदुलारे, कोटेदार विनोद सहित आशा कार्यकर्ता विशाल, संगीता, शमसुज्जमा, तौफीक आलम समेत सैकडों लोगों के नाम भी सूची से कटे पाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा में सैकड़ों पात्र मतदाताओं के नाम बिना किसी स्पष्ट कारण के सूची से हटा दिए गए हैं। यदि समय रहते नाम नहीं जोड़े गए तो कई लोग पंचायत चुनाव में अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। बीएलओ राम अवतार ने बताया कि जनवरी 2025 में प्राप्त मतदाता सूची में कुल 910 मतदाता दर्ज थे। इसके बाद 38 नामों के परिवर्धन और 192 नामों के विलोपन की प्रक्रिया प्रस्तावित की गई थी, लेकिन कई मामलों में अंतिम कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि नई सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 2002 दिखाई जा रही है, जबकि पहले से कटे हुए कई नाम अब भी शामिल नहीं हैं। बरगदही ग्राम सभा में बीएलओ राम अवतार, शबनम खातून, पूर्व प्रधान प्रत्याशी रविंद्र यादव, पूर्व बीडीसी सदस्य रामदुलारे, कोटेदार विनोद, आशा कार्यकर्ता विशाल, संगीता, शमसुज्जमा, तौफीक आलम समेत सैकडों लोगों के नाम कटे पाए गए हैं।

फरमाइश पूरी नहीं हुई तो नर्तकी को मार दी गोली, तड़प–तड़पकर तोड़ा दम, यूपी से बिहार गई थी सोनू

संवाददाता–देवरिया। बिहार के गोपालगंज जिले में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया जब फरमाइशी गीत को लेकर हुए विवाद में एक नर्तकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा–तफरी मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए। नर्तकी सोनू गोड तरकुलवा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। घटना गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के पटूहा जमुनहा गांव की है। महेंद्र कुशवाहा के यहां शादी समारोह के अवसर पर नाच–गाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के सिसवा गांव निवासी थर्ड जेंडर नर्तकी सोनू गोड अपने दल के साथ प्रस्तुति दे रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात कार्यक्रम के दौरान गांव के कुछ युवक मंच के पास पहुंचे और अपनी पसंद का गीत बजाने की मांग करने लगे। नर्तकी द्वारा तत्काल उनकी फरमाइश पूरी नहीं किए जाने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। मारपीट के बीच चली गोली सोनू को लगी और उसकी मौके पर मौत हो गई। कार्यक्रम संचालक एवं देवरिया जिले के मालसी चौराहा निवासी रामायण यादव ने बताया कि विवाद के दौरान युवकों ने नर्तकी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर सोनू गोड के पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही नर्तकी लहूलुहान होकर मंच के सामने गिर पड़ी। घटना होते ही कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। शादी समारोह में शामिल लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे जबकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने किया मृत घोषित घटना के बाद घायल सोनू गोड को आनन–फानन में स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और साथी कलाकारों में कोहराम मच गया।सूचना मिलने पर कटेया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुलिस ने कार्यक्रम संचालक की तहरीर पर तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा कार्यक्रम में मौजूद लोगों के मोबाइल वीडियो और अन्य साक्ष्य भी खंगाले जा रहे हैं। गांव में तनाव, पुलिस की बढ़ी चौकसी सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने गांव में सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने शादी समारोहों में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामूली विवाद का इस तरह खूनी संघर्ष में बदल जाना बेहद चिंताजनक है। वहीं साथी कलाकारों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे की सभी परिस्थितियों की गहन जांच की जा रही है तथा दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

डीएम से लगाई गुहार– साहब, हमारा घर बचाइए

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा बाजार नगर पालिका क्षेत्र के इंदिरा नगर (असमन छपरा) स्थित काली मंदिर परिसर में बने एक आवास को हटाए जाने की आशंका को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। पीड़ित परिवार ने नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार के अधिकारियों व कर्मचारियों पर बिना पूर्व सूचना जेसीबी मशीन के साथ पहुंचकर मकान गिराने का प्रयास करने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। अपना घर बचाने की गुहार लगाई। पीड़ित रामसमुझ ने डीएम से भावुक शब्द में कहा हमारा घर बचाइए साहब। हम बेघर हो जाएंगे, यह मकान ही उनके परिवार का एकमात्र आशियाना है।

उन्होंने बताया कि उनके पूर्वजों ने कच्चे–पक्के मकान में परिवार लंबे समय से निवास कर रहा है और उनके पास रहने के लिए कोई अन्य व्यवस्था नहीं है।

उनका कहना है कि मकान टूटने की स्थिति में पूरा परिवार बेघर हो जाएगा। रामसमुझ आरोप लगाया कि 18 जून को नगर पालिका के कर्मचारी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे और मकान गिराने की तैयारी शुरू कर दी। उसी दौरान मोहल्ले में एक वैवाहिक कार्यक्रम चल रहा था, जिससे बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद कर्मचारी वापस लौट गए, लेकिन दोबारा कार्रवाई करने की चेतावनी देकर चले गए।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मामले से संबंधित जानकारी नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों को भी दी गई, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। मोहल्ले के सुग्रीव चौहान, सोमनाथ, राकेश, रामकेवल, दुर्गा, साहिल, अशोक, अंत, पूर्णवासी, प्रदीप सिंह और ध्रुव नारायण आदि ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक लगाने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

केक काटकर मनाया गया राहुल गांधी का जन्म दिन

,संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी का जन्मदिन शुक्रवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। कांग्रेसियों ने कांग्रेस कार्यालय भिनगा में केक काटकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया इस दौरान उनके दीर्घायु की कामना की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्यामणि त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी ने सदैव सत्य, समानता, सामाजिक न्याय और जनहित की राजनीति को आगे बढ़ाया है। उनकी निडर सोच और संविधान की रक्षा का संकल्प देश को मजबूत दिशा प्रदान करता है।जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि राहुल गांधी जी देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज बनकर लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में न्याय और अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी है। इस दौरान हरिओम पाण्डेय ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला महासचिव एहसान चौधरी,ठाकुर तिवारी,अमन पाण्डेय,रमेश कुमार वर्मा, सद्गुरु प्रसाद आर्य, संजय कुमार,भीष्म कुमार,छैलू गुप्ता, हेमंत कुमार पाठक सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ठगी करने वाला शफीक उर्फ पंडित रामस्वरूप शर्मा गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। मनकापुर कोतवाली पुलिस और एसओजी टीम ने पूजा–पाठ और तंत्र–मंत्र के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शफीक उर्फ पंडित रामस्वरूप शर्मा उर्फ बड़े पुजारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 26 लाख 95 हजार रुपए कैश बरामद किए हैं। शफीक अपना पंडित रामस्वरूप शर्मा नाम रखकर शिव शक्ति ज्योति एवं आध्यात्मिक अनुसंधान संस्थान चला रहा था। वह पूजा–पाठ, ग्रह दोष निवारण और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर लोगों से रुपए ऐंठता था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। गिरोह के अन्य सदस्यों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार जेल भेज चुकी है। शफीक गिरोह का मास्टरमाइंड था। मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर निवासी सुशील कुमार सोनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार आरोपी शफीक उर्फ पंडित रामस्वरूप शर्मा ने ग्रह दशा सुधारने और सुख–शांति के लिए विशेष पूजा कराने का दावा किया था। इसके लिए करीब 75 हजार रुपये की पूजन सामग्री मंगवाई। घर के सोने–चांदी के आभूषण एक स्टील के डिब्बे में रखवाकर एक कमरे में पूजा शुरू की। उसने परिवार को निर्देश दिया कि पूजा के दौरान कमरे का ताला न खोला जाए। उसकी अनुपस्थिति में केवल बाहर से दीपक जलाया जाए। कुछ दिनों बाद उसने अपनी मां की तबीयत खराब होने और बाद में निधन होने की बात कहकर आना बंद कर दिया। काफी कोशिश के बाद भी बात न होने पर परिवार को शक हुआ। जब कमरे का ताला खोला गया तो जेवर और पूजा के नाम पर लिया गया सामान गायब मिला। शफीक अपना नाम पंडित रामस्वरूप शर्मा रखकर शिव शक्ति ज्योति एवं आध्यात्मिक अनुसंधान संस्थान चला रहा था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी की पहचान मेरठ निवासी शफीक के रूप में हुई। वह पंडित रामस्वरूप शर्मा बनकर लोगों को ठग रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गैर–परंपरागत आयोजनों व जुलूसों को नहीं मिलेगी अनुमति – डीएम

संवाददाता–महराजगंज। मोहर्रम सहित आगामी पर्वों को परस्पर सद्भावना व भाईचारे के साथ मनाने के लिए डीएम गौरव सिंह सोगरवाल व एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने विभिन्न समुदायों के साथ पीस कमेटी की बैठक की। डीएम ने कहा कि सभी लोग आगामी त्योहारों में शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन का अनुपालन सुनिश्चित करें। किसी भी दशा में गैर–परम्परागत आयोजनों व जुलूसों को अनुमति नहीं दी जाएगी। डीएम ने आयोजकों से कहा कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट चार्ट व समय सारिणी का अनिवार्य रूप से पालन करें। जुलूस में मानक के अनुसार ही डीजे की आवाज रखें। झंडा लगाने के लिए धातु अथवा विद्युत चालकों का इस्तेमाल न करें। साथ ही ताजियों की ऊंचाई भी मानक के अनुरूप ही रखें। सोशल मीडिया पर पुलिस व प्रशासन की कड़ी निगाह है। इसलिए कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट न करें। कार्रवाई सुनिश्चित होगी। जुलूस के दौरान अस्त्र–शस्त्र का प्रयोग नहीं करने का निर्देश दिया। सभी एसडीएम को सीओ के साथ संवेदनशील क्षेत्रों के स्थलीय निरीक्षण व सड़कों से अनावश्यक झंडे, पोस्टर व बैनर अभियान चलाकर हटवाने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग को जुलूस मार्गों पर खंबों व तारों का सर्वे कर जर्जर व लटकते तारों की तत्काल मरम्मत कराने की हिदायत दी। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने परस्पर भाईचारे के साथ आगामी पर्वों को मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्वों के आयोजन में नियम व अनुशासन का पालन करें और किसी नवीन परंपरा की शुरूआत न करें। जुलूस आदि से अराजक तत्वों को दूर रखें। किसी प्रकार की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों को चिह्नित करते हुए सतर्क, सक्रिय रहने व कड़े सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। लोगों ने आश्वासन दिया कि आगामी त्योहारों को परस्पर सद्भावना व भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। बैठक का संचालन शमशुल हुदा ने किया। इस अवसर पर एडीएम वित्त व राजस्व डॉ. प्रशांत कुमार, एएसपी सिद्धार्थ, सभी एसडीएम व सीओ सहित अन्य प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी सहित धर्मगुरु आदि उपस्थित रहे। डीएम ने सभी लोगों से शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा और गैर–परम्परागत आयोजनों व जुलूसों को अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया।

चकबंदी प्रक्रिया से ग्रामीण नाराज, कार्यालय के सामने शुरू किया बेमियादी धरना

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा तहसील के ग्राम खालिकगढ़ में चकबंदी विभाग की प्रक्रिया से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा शुक्रवार को फूट पड़ा। पहले दी गई चेतावनी के अनुसार किसानों की समस्याओं को लेकर लोगों ने समरधीरा चकबंदी कार्यालय के सामने बेमयादी धरना शुरू कर दिया। जिला पंचायत सदस्य व किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सुरेश चन्द्र साहनी की अगुवाई में धरना पर बैठे ग्रामीणों का कहना रहा कि वे इस बार निर्णायक संघर्ष कर अपनी समस्याओं का समाधान न होने तक नहीं हटेंगे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर डीएम को मांगपत्र भेजा था। नौतनवा तहसील मुख्यालय पहुंचकर अधिकारियों से अपनी समस्या गिनाई थी और कहा था कि समस्याओं का निराकरण 18 जून तक नहीं हुआ तो वे धरना देने को विवश होंगे। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्रामीण एकत्र हुए और समरधीरा चौराहे से पैदल मार्च कर चकबंदी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। चकबंदी कार्यालय पहुंचे लोग वहीं बेमियादी धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना रहा कि इस समय कब्जा परिवर्तन चल रहा है, जिसमें प्रति एकड़ कटौती पर सहमति बनी थी। ताकि चकमार्गों की चौड़ाई 15 से 20 कड़ी हो जाए। कहा कि ग्रामसभा में रोहिन नदी बहती है, जिसके दोनों तरफ किसानों की जमीनों पर बिना मुआवजा दिए बंधे का निर्माण कराया गया है। आरोप लगाया कि चकबंदी विभाग बची जमीनों पर कटौती करके हेराफेरी कर रही है, जिससे किसानों को भारी क्षति पहुंच रही है। यह भी आरोप लगाया कि बिना किसानों की सहमति के ही उड़ान चक लगा दिया जा रहा है। रकबा से भी काफी कम दिया जा रहा है और किसानों को हर तरीके से परेशान किया जा रहा है। धरने की अगुवाई कर रहे साहनी ने कहा कि कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए गरीब किसानों के साथ घोर अन्याय हो रहा है। सभी किसानों के सामने अलग–अलग समस्या पैदा कर दी गई है। जिनसे कभी विवाद नहीं था, उनसे मुकदमें एवं झगड़े हो रहे हैं। यहां पर किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है। कहा कि चकबंदी की प्रक्रिया हम लोगों के लिए घातक हो गयी है। इसको रोककर जांच करवाने की जरूरत है। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि अरविन्द साहनी, चन्द्रबास साहनी, विजय कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चकबंदी प्रक्रिया में कब्जा परिवर्तन की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाय। प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गठित कर नये नक्शे एवं पुराने नक्शे, खसरा खतौनी को मिलाकर किसानों की सहमति से विसंगतियों को दूर किया जाए। गांव में सुनवाईध्बैठक कर समस्याओं का निस्तारण करवाया जाय। चकमार्ग की चौड़ाई 15 से 20 कड़ी की जाए और प्रशासनिक अधिकारियों की जांच में दोषी पाये जाने वालों पर कार्रवाई हो। इसके अलावा सरकारी सुरक्षित भूमि को पीलर लगाकर संरक्षित करने व जिन किसानों के खेत से बंधा गया है, उनकी कटौती न कर पट्टे की व्यवस्था की जाए।

पुलिस ने पकड़ी 37 पेटी अवैध शराब

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली पड़रौना पुलिस ने 37 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार की रात रामकोला रोड स्थित मिश्रौली पुलिस चौकी के पास की गई। पुलिस ने एक नीले रंग के थ्री–व्हीलर वाहन से ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की की 37 पेटियां बरामद कीं। प्रत्येक पेटी में 180 एमएल के 48 टेट्रा पैक थे, जिससे कुल 319 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। बरामद शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख 31 हजार रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान साहिल यादव पुत्र महेंद्र यादव के रूप में हुई है, जो चिलबिलवा बलाइन टोला, थाना पिपराइच, जनपद गोरखपुर का निवासी है। पूछताछ में साहिल ने बताया कि वह पड़रौना क्रॉसिंग के पास एक अज्ञात व्यक्ति से किराए पर थ्री–व्हीलर लेकर शराब की यह खेप रामकोला रोड की ओर पहुंचाने जा रहा था। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले में अवैध शराब की बिक्री, निष्कर्षण और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर यह सफलता मिली। पुलिस ने आरोपी साहिल यादव के खिलाफ कोतवाली पड़रौना में मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी रहा।

गुरु–स्मृतियों में सजा पाटोत्सव, सेवा को संत जीवन का आधार बताया –महामंडलेश्वर गणेश दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्री अवध बिहारी सरकार एवं ठाकुर राम–जानकी भगवान का 20वां पाटोत्सव महोत्सव श्री अवध बिहारी कुंज मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंदिर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंत गणेश दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में ठाकुर जी का पंचामृत से दिव्य अभिषेक किया गया। इसके उपरांत भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराए गए तथा सुगंधित पुष्पमालाओं से अलंकृत किया गया। वैदिक विद्वानों ने स्वस्तिवाचन एवं मंगलमय मंत्रोच्चार के मध्य भगवान को नाना प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण संत–महंतों, शिष्यों एवं श्रद्धालुओं के मध्य किया गया। महंत गणेश दास महाराज ने कहा कि यह पाटोत्सव वर्षों से गुरु महाराज के सान्निध्य में निरंतर मनाया जाता रहा है। इस वर्ष भी उनकी भावमयी उपस्थिति और पावन स्मृतियों के साथ महोत्सव को हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न किया गया। उन्होंने कहा कि संत का जीवन सेवा से प्रारंभ होकर सेवा में ही पूर्ण होता है। उनके गुरुदेव आजीवन ठाकुर जी की सेवा, संत सेवा एवं गौसेवा में समर्पित रहे और उन्हीं के आदर्शों का अनुसरण करते हुए वे स्वयं भी सनातन धर्म जागरण तथा लोककल्याण के कार्यों में निरंतर संलग्न हैं।पाटोत्सव के अवसर पर महंत गणेश दास महाराज ने आगंतुक संतों, महंतों एवं अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने समारोह में सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन के दौरान सभी अतिथियों का सम्मान एवं सत्कार किया गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः गिनती की गाइड लाइंस का 10 परसेंट पालन भी नहीं हुआ, नृपेंद्र मिश्रा ने निगरानी में चूक मानी

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के बीच हि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने यहां पर निगरानी में चूक की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि पूरे मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं के लिए एक सिस्टम लागू किया गया है। इसके लिए आदेश–निर्देश जारी किए गए थे। चढ़ावा की काउंटिंग के लिए भी नियम बने हैं और निर्देश जारी हुए हैं। इसके बाद भी इन निर्देशों का दस प्रतिशत भी पालन नहीं हुआ है। उन्होंने हालांकि श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को क्लीन चिट भी दी। मीडिया से बात करते हुए नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि मैंने यहां के लिए जारी निर्देशों और नियमों को पढ़ा है। उसमें सब कुछ साफ–साफ लिखा है। मंदिर में आने वाले चढ़ावा की काउंटिंग कैसे होगी। इसके लिए भी पूरी व्यवस्था बनी है। नियमों में पूरा विवरण है। अलग–अलग लोगों और संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी भी तय है। एसबीआई की क्या जिम्मदारी होगी। राम मंदिर ट्रस्ट की क्या जिम्मेदारी होगी, हर चीज का नियम बना हुआ है। इसी के अनुसार अनुशासन का पालन होना चाहिए था। निर्देशों में शुरुआत में ही यह भी कहा गया है कि पूरी व्यवस्था पारदर्शी होनी चाहिए। इसके बाद भी लगता है कि सारे निर्देशों का पालन दस प्रतिशत से अधिक नहीं हुआ है। जिन निर्देशों का पालन होना चाहिए था, नहीं हुआ है। यहां पर नियमों का लगातार उल्लंघन हुआ है। आज जिस तरह की स्थिति सामने आई है, उसके पीछे मुख्य कठिनाई नियमों का पालन नहीं होना ही है। ऐसे में जरूरी है कि भविष्य के लिए सुधार अब कर लिया जाए। यह भी अब देखना होगा कि इसे लागू कैसे किया जाए।

नृपेंद्र मिश्रा ने ट्रस्ट महासचिव चंपत राय को क्लीन चिट देते हुए निष्कलंक बताया। उन्होंने कहा कि उनकी संलिप्तता इस कार्य में नहीं हो सकती। फिर भी मुखिया होने के नाते प्रश्न चिन्ह तो लगेगा ही। दो साल पहले जमीन के प्रकरण में वार्निंग मिली थी, जिससे सबक लिया जाना चाहिए था। अब यह अंतिम वार्निंग है, इसमें भी सुधार नहीं हुआ तो पनिशमेंट की स्थिति होगी।

नृपेन्द्र मिश्र ने एक बड़े रहस्य से पर्दा उठाते हुए कहा कि तिरुपति देवस्थानम की तरह रामलला को श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित धातुओं (सोना–चांदी) की व्यवस्था वित्त मंत्रालय की संस्था मिंट के माध्यम से नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि इसका प्रस्ताव किया गया था और तीन साल पहले मिंट संस्था के लोग यहां आकर 15 दिनों तक रहे। फिर वह वापस चले गए। मैं नहीं जानता कि किन कारणों से मिंट को यह जिम्मेदारी नहीं दी गई।

प्राकृतिक खेती समृद्ध किसान का आधार –डॉ मंगलेश

संवाददाता–गोरखपुर। राजकीय कृषि विद्यालय चरगावां में प्राकृतिक खेती कार्यशाला में महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल आर्थिक लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और गो–आधारित कृषि परंपरा को मजबूत करने का अभियान है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में स्वस्थ किसान और समृद्ध कृषि सबसे महत्वपूर्ण आधार होंगे। प्रदेश के 34 जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गंगा तट के 27 जिलों और बुंदेलखंड के सात जिलों को इसके लिए चिन्हित किया गया है। सरकार उत्पादों के प्रमाणन, पैकेजिंग व विपणन की व्यवस्था विकसित कर रही है ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके। प्राकृतिक कृषि कार्यशाला का आयोजन भाजपा महानगर एवं जिला के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने रासायनिक खेती को बीमारी का घर बताते हुए कहा कि इस पर निर्भरता बिमारी दे रही है। किडनी, लिवर सिरोसिस, ब्लडप्रेशर व डायबिटीज के मामलों में अत्याधिक बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके पीछे खानपान और रसायनयुक्त खेती का प्रभाव भी बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अन्न के नाम जहर परोसा जा रहा है। अब समय है किसान भाई प्राकृतिक खेती की ओर लौटें। फर्टिलाइजर व पेस्टीसाइड के अत्यधिक उपयोग की वजह से कई बार उत्पादन दुनिया के बाजार में स्वीकार नहीं किया जाता, क्योंकि उसमें रासायनिक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। प्राकृतिक खेती किसानों की लागत घटाने के साथ समाज को स्वस्थ बनाने का माध्यम बन सकती है। आत्मनिर्भरता का मार्ग दूसरों पर निर्भर रहने से नहीं, बल्कि अपने संसाधनों पर भरोसा करने से निकलता है। महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख चरगावां बंदना सिंह, महानगर मंत्री रणविजय सिंह मुन्ना, उप निदेशक कृषि धनंजय सिंह, संचालन महानगर उपाध्यक्ष शशिकांत ने किया।

आनंद हत्याकांड के बाद चला बुलडोजर स्कूल की जमीन से हटा अवैध कब्ज

संवाददाता–संतकबीर नगर। बभनी चौराहे पर टाइल्स मिस्त्री आनंद कुमार की हत्या के बाद प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी विद्यालय की भूमि पर वर्षों से किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर चलाकर हटा दिया। ग्रामीणों की मांग पर एसडीएम अरुण कुमार के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस टीम ने गाटा संख्या–404 पर बनी अवैध मीट–मुर्गे की दुकानों को ध्वस्त करा दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि प्राथमिक विद्यालय की जमीन पर अवैध रूप से संचालित इन दुकानों पर शाम ढलते ही शराब पीने और हुड़दंग करने वालों का जमावड़ा लग जाता था, जिससे क्षेत्र का माहौल लगातार खराब रहता था। लोगों का यह भी आरोप है कि आनंद की हत्या में प्रयुक्त छुरी भी चौराहे की इसी दुकान से ली गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई थी।

एसडीएम अरुण कुमार ने बताया कि गाटा संख्या–404 प्राथमिक विद्यालय के नाम दर्ज सरकारी भूमि है, जिस पर लंबे समय से अवैध कब्जा था। जनहित और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले बभनी चौराहे पर पुलिस बूथ के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित की गई थी, लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। ग्रामीणों का मानना है कि यदि यहां पुलिस बूथ स्थापित होता तो असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगता और आनंद की हत्या जैसी घटना टाली जा सकती थी। उनका कहना है कि शाम होते ही चौराहे पर अराजक तत्वों का जमावड़ा लगना आम बात थी। हत्याकांड के अगले दिन शुक्रवार को बभनी चौराहे की दुकानें सामान्य दिनों की तरह खुलीं, लेकिन पूरे बाजार में दहशत और तनाव का माहौल बना रहा। चौराहे के चप्पे–चप्पे पर संतकबीरनगर के अलावा बस्ती और सिद्धार्थनगर से आई पुलिस फोर्स तथा पीएसी के जवान तैनात रहे। सुरक्षा बल लगातार गश्त करते रहे। कारोबार सामान्य रहा, लेकिन लोगों की जुबान पर आनंद हत्याकांड और मन में भय साफ दिखाई दिया।

योगाभ्यास के साथ नशा मुक्ति समाज के लिए लिया संकल्प

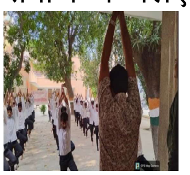

संवाददाता–गोरखपुर। महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को योग एवं नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ योगाभ्यास से हुआ, जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। साथ ही योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। योग सत्र के बाद प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। संस्था के प्रधानाचार्य डॉ अनिल प्रकाश सिंह ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है तथा नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। योग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर नशे जैसी बुराइयों से बचा जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था के शिक्षक एवं मीडिया प्रभारी माधवेंद्र राय द्वारा योग सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की अपील की गई।

कार्यक्रम के दौरान जनसमूह ने नशे से दूर रहने एवं समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शिक्षक संतोष कुमार सुमन, भानु प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

नगर आयुक्त ने कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त अजय जैन ने शुक्रवार को चरगावां स्थित गारबेज ट्रांसफर स्टेशन (जीटीएस) एवं मोहरीपुर में संचालित कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जीटीएस संचालन व्यवस्था में खामियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित एजेंसी को कड़ी चेतावनी दी। अजय जैन ने कचरा वाहनों की तौल के लिए स्थापित मशीन के सॉफ्टवेयर को तत्काल अपडेट करने का निर्देश दिया। ताकि वाहन का वजन होते ही पूरा विवरण स्वतः कंप्यूटर प्रणाली में दर्ज हो जाए। यह पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संचालित हो। सभी कैमरों को नगर निगम मुख्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से जोड़ा जाए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रत्येक कचरा कैप्सूल में भरे गए कूड़े की मात्रा, खाली और लोडेड वजन, वाहनों के चक्करों की संख्या सहित सभी आंकड़े डिजिटल रूप से दर्ज करने और उनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जीटीएस का संचालन कर रही एजेंसी जेएस इनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कार्यों पर भी नगर आयुक्त ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने जीटीएस तक पहुंचने वाले कूड़ा वाहनों की संख्या और प्रतिदिन आने वाले कूड़े की मात्रा की समीक्षा की।

इस संबंध में चार जून की समीक्षा बैठक में ही आवश्यक निर्देश जारी किए जा चुके थे, लेकिन अब तक उनका प्रभावी अनुपालन नहीं किया गया। पूर्व में दिए गए निर्देशों की अनदेखी पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त अजय जैन ने मोहरीपुर स्थित कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का भी निरीक्षण किया। यहां भी काम काज से असंतुष्ट दिखे। उन्होंने संचालन देख रही फर्म और निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि जहां भी सरकारी काम चल रहा, कार्यदायी फर्मो के संपर्क कर उनके मलबे का नियमानुसार निस्तारण करें। इसके अलावा निजी भवन स्वामियों के निर्माण स्थल से 250 रुपये प्रति टीपर और 500 ट्रेक्टर ट्राली की दर से मलबा उठाएं। ताकि सड़क पर मलबा न दिखे। उलंघन करने पर नियमानुसार चलान भी किया जाए।

महुली थाने में पुलिसकर्मियों ने किया योगाभ्यास

संवाददाता–संतकबीरनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को महुली थाना परिसर में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इसमें थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवन और तनावमुक्त कार्यशैली का संदेश देना था। योगाभ्यास सत्र के दौरान पुलिसकर्मियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। इसका लक्ष्य शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए उन्हें प्रेरित करना था। थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस सेवा चुनौतियों, जिम्मेदारियों और तनाव से भरी होती है। ऐसे में योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि अनुशासन, मानसिक संतुलन और आंतरिक शक्ति प्राप्त करने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने जोर दिया कि नियमित योगाभ्यास से पुलिसकर्मी अधिक ऊर्जावान, स्वस्थ और कार्यकुशल बनते हैं।

राहुल गांधी आशा, साहस और जनसंघर्ष के प्रतीक –डॉ. सैय्यद जमाल

संवाददाता–गोरखपुर। नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने उन्हें देश की जनता की निडर आवाज, दूरदर्शी एवं भविष्यद्रष्टा नेतृत्व का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने उनके व्यक्तित्व, संघर्ष और जनसरोकारों पर विस्तार से चर्चा की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व महामंत्री यूपी कांग्रेस एवं आईसीसी सदस्य डॉ सैय्यद जमाल ने कहा कि राहुल गांधी धैर्य, संकल्प, करुणा और जनसेवा की भावना से परिपूर्ण नेता हैं। उन्होंने हमेशा जनता के दुख–दर्द, देश की गरिमा और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया है। वे दलितों, शोषितों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों की आवाज बनकर उभरे हैं।

डॉ रत्नेश ठाकुर भुट्टे ने कहा कि राहुल गांधी का व्यक्तित्व देश के करोड़ों लोगों में आशा और विश्वास का संचार करता है। अनवर हुसैन ने कहा कि उनका धैर्य, संघर्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी प्रेम, सत्य, करुणा और नैतिकता की राजनीति के पक्षधर हैं। संगोष्ठी के अंत में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके नेतृत्व में देश के उज्ज्वल भविष्य की आशा व्यक्त की। इस दौरान धर्मराज चौहान, संतोष प्रताप सिंह, अल्ताफ हुसैन, प्रेम प्रकाश तिवारी, जलालउद्दीन, राजकुमार पासवान, ओम प्रकाश पांडेय, संजय सिंह, शैलेन्द्र चौहान, मोहित साहनी, राममूरत प्रसाद, दुर्गेश निषाद, रजई निराला एवं अशोक प्रजापति सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद शहर के गोला बाजार स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने केक काटा। इस दौरान राहुल गांधी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई तथा उपस्थित लोगों में मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने कहा कि राहुल गांधी देश के संविधान, लोकतंत्र और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता को उनसे अपेक्षाएं हैं और वे जनहित के मुद्दों को उठा रहे हैं। पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं और आमजन से राहुल गांधी के संघर्ष को समर्थन देने की अपील की।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, शांति देवी, अरुण पाण्डेय, नीलम चतुर्वेदी, फैजान खान, अजय सिंह, रमेश पाण्डेय, सतीश साहनी, निसार अहमद, राजीव गोंड, मुन्नीलाल, जमुना प्रसाद, सीमू खान, जमशेद अख्तर, रामाश्रय यादव, मिथिलेश चौधरी, संजय चौरसिया, दुर्गेश पाठक, अभिषेक, संतोष पाण्डेय, गोविंद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अयोध्या पहुंचे योगी, रामलला के दर्शन के बाद जैन समाज के पंचकल्याणक महोत्सव में हुए शामिल

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। अपने दौरे की शुरुआत उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन और पूजन के साथ की। इसके बाद उन्होंने हनुमानगढ़ी पहुंचकर पूजा–अर्चना की तथा दिगंबर अखाड़ा जाकर अपने गुरुजनों और संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उनकी मुलाकात महंत सुरेश दास से भी हुई। मुख्यमंत्री इसके बाद श्री ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने जैन समाज द्वारा आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में हिस्सा लिया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर संतों, धर्माचार्यों और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने जैन समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, त्याग, तप और मानव कल्याण के मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में जैन समाज की भूमिका की सराहना की। जैन धर्म में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का विशेष महत्व है। यह आयोजन तीर्थंकरों के जीवन के पांच प्रमुख कल्याणकोंकृगर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान और मोक्ष–की स्मृति में मनाया जाता है। महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत और धर्माचार्य शामिल हुए हैं। अयोध्या को जैन धर्म के कई तीर्थंकरों की जन्मस्थली होने के कारण विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। मुख्यमंत्री का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब विशेष जांच दल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानराशि गबन से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है। हालांकि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम पूरी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर केंद्रित रहा। दौरे के अगले चरण में मुख्यमंत्री मणिरामदास छावनी पहुंचकर महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव समारोह का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न अखाड़ों के संतों, धर्माचार्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कांग्रेसियों ने मरीजों में फल वितरित कर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन पर शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में मरीजों में फल वितरण किया गया। इमरजेंसी वार्ड, आर्थो वार्ड महिला,आर्थो वार्ड पुरुष के भर्ती मरीजों में फल वितरण कर राहुल गांधी के दीर्घायु की मंगलकामना की गई। महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने कहा कि राहुल गांधी किसान, नौजवान, छात्रों, दलितों एवं निषादों शोषितों की आवाज हैं। देश के अंतिम व्यक्ति के साथ खड़े होने वाले नेता राहुल गांधी हैं। इस दौरान पूर्व मंत्री सदल प्रसाद, पूर्व सांसद कमल किशोर कमांडो, प्रदेश सचिव दिलीप कुमार निषाद, महेंद्र मोहन तिवारी, राजेंद्र यादव, अजय कन्नौजिया समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

नवागत एसडीएम शशांक शेखर राय ने संभाला कार्यभार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील में प्रशासनिक फेरबदल के तहत नवागत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शशांक शेखर राय ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को अपनी मुख्य प्राथमिकता बताया।

बांसी में तैनाती से पहले शशांक शेखर राय जनपद सिद्धार्थनगर की सदर तहसील में एसडीएम न्यायिक के पद पर कार्यरत थे। उनके कुशल कार्यशैली और बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें बांसी तहसील की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नवागत उपजिलाधिकारी के पदभार ग्रहण करने की सूचना मिलते ही स्थानीय संभ्रांत नागरिकों, अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर नए कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर एसडीएम शशांक शेखर राय ने कहा कि शासन की मंशानुरूप पारदर्शी प्रशासन और फरियादियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण ही उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद संख्या–155/2025

थाना–कोतवाली

जिला–बस्ती

प्रीति चतुर्वेदी

बनाम

अभिनव चतुर्वेदी आदि

1. अभिनव चतुर्वेदी आयु लगभग 35 वर्ष पुत्र अभिनव चतुर्वेदी 2. अशोक चतुर्वेदी आयु लगभग 56 वर्ष 3. किरन चतुर्वेदी आयु लगभग 55 वर्ष पत्नी अशोक चतुर्वेदी 4. आस्था आयु लगभग 33 वर्ष पुत्री अशोक चतुर्वेदी निवासी ग्राम रणजीत कालोनी थाना कोतवाली जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 23–06–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदन द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 23 मास 06 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमें असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

आंधी–तूफान से दो एलटी पोल टूटे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मरवटिया–महुलानी विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर आए तेज आंधी–तूफान से विद्युत व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। सेमरा और मरवटिया फीडर क्षेत्रों में दो एलटी (लो टेंशन) बिजली पोल टूट गए, वहीं 33 केवी लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। जानकारी के अनुसार, सेमरा फीडर के टिकुईया गांव में तेज हवा के कारण एक एलटी बिजली पोल टूटकर गिर गया। इसी तरह, मरवटिया फीडर के तहत रेहरा–चरथरी गांव में भी एक एलटी पोल क्षतिग्रस्त हो गया।

इसके अतिरिक्त, आंधी–तूफान की वजह से बांसी पावर हाउस से मरवटिया–महुलानी विद्युत उपकेंद्र को बिजली आपूर्ति करने वाली 33 केवी लाइन भी प्रभावित हुई। इस व्यापक क्षति के कारण पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पर असर पड़ा।

ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में अचानक आई तेज हवा और बारिश से बिजली व्यवस्था चरमरा गई, जिससे उन्हें घंटों बिजली संकट का सामना करना पड़ा। अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त पोल और लाइन की मरम्मत के लिए विभागीय टीमों को लगाया गया है। जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा था।

पेड़ से लटका मिला बुजुर्ग का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा ब्लॉक मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को 86 वर्षीय छबिलाल गुप्ता का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। वे विकास खंड खेसरहा क्षेत्र के ग्राम बेलवालगुनही के निवासी थे और 18 जून की शाम से घर से लापता थे। परिजनों ने बताया कि छबिलाल गुप्ता गुरुवार शाम करीब 7 बजे घर से निकले थे। परिवार ने उनकी काफी तलाश की थी और लोगों से भी उनकी खोज में सहयोग की अपील की थी, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया था।

शुक्रवार सुबह को ब्लॉक मुख्यालय परिसर में पेड़ से लटका शव मिलने की सूचना पर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचित किया गया, जिसने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है और मामले के सभी पहलुओं पर गौर कर रही है। बुजुर्ग की मौत से परिवार में दुख का माहौल है। थाना प्रभारी खेसरहा अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की गई। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अंगद प्रसाद पुत्र राम प्रसाद ग्राम ठढियौना पोस्ट–बेलवरिया जंगल जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। आधारकार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम रामबली पुत्र राम प्रसाद हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर अंगद प्रसाद पुत्र राम प्रसाद कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com